केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक		प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मु
A. K. Prajapati V. No. G H S S Rehli Distt. S	

3

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 1

(i) JAJ

(ii) हीमोटॉक्सिन

आवेश व आकार

(iv) सहोपकारित

(v) 37 (अंगुष्ठि)

(vi) परिक्षुणपीष

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 2

(i) उत्पादक

(ii) ~~निषेचन अण्डोत्सर्जन~~ अण्डोत्सर्ग

(iii) पैलिन्ड्रोमिक DNA

(iv) दही

(v) डाइसल्फाइड बंध

(vi) सिकिल सेल एनीमिया

B
S
E

7 + 5 = 12

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 3

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

(vi) सत्य

6

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 4

(i) जैड वाई व ए

(ii) अस्थिमज्जा

(iii) हानिकारक पारस्परिक क्रिया

(iv) संवाहक

(v) अण्ड

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 5

(i) विशाल अमेजन जंगल को पृथ्वी का फेफड़ा कहा जाता है।

(ii) Zygote Intra Fellopion Transfer

(iii) मेथेन, अमोनिया हाइड्रोजन को 1:2:1 में लिया।

(iv) इंटरफेरॉन प्रोटीन करते हैं जो विषाणुओं के लिए प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करते हैं

(v) वेसिलस प्युरिन जीएसेसिस

BSE

मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 18 [अथवा]

(i) एड्स का पूरा नाम :- एक्वर्ड इम्युनो डिफीसियेन्सी सिन्ड्रोम [AIDS]

(ii) एड्स के रोगजनक का नाम :- एड्स के रोगजनक का नाम HIV है।

B
S
E

(iii) एड्स की रोकथाम के उपाय :-

1. ~~शारिरि~~ शारीरिक संबंध न बनाये।
2. संक्रमण को रोकने के लिए अनुकूलन दूरी बनाये रखे।

3. प्रतिकूली भोज्य पदार्थों का सेवन न करें।

4. स्वच्छ वातावरण में निवास करें।
सिरिंज का खुला स्वच्छ होना।

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 9 के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 17 (अथवा)

उत्तर :- DNA अंगुली छापन क्या :- जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की अंगुलियों के छाप अलग होते है जो इसकी एक विशिष्ट पहचान होते है, इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति के DNA मे भी एक विशिष्ट अंतर होता है जो इस व्यक्ति को अद्वितीय पहचान प्रदान करता है, इस DNA की छाप को नियमित यंत्रो के माध्यम से उकेरना DNA अंगुलीछापन कहलाता है।

उपयोगिता :- ① इस विधि के माध्यम से क्राइम के क्षेत्र मे व अपराधियो का पता लगाया जा सकता है। तथा मृतक की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है।

② इस विधि के द्वारा जीवविज्ञान प्रयोगशाला में मानव विकास एवं संतति की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

③ व्यक्ति के पैतृकता की जॉंच करने में।

प्रश्न क्र.

क्रियाविधि :- DNA अंगुलीछापी में DNA अनुक्रम में स्थित कुछ विशिष्ट जगहों के बीच विभिन्नता का पता लगाते हैं।

प्रश्न क्र० ⇒ 12 (अथवा)

उत्तर :- नर मानव हीमोफीलिया जीन को कभी भी पुत्र में नहीं पहुँचा सकता क्योंकि हीमोफीलिया का वाहक मादा मानव होती नर मानव हीमोफीलिया का वाहक नहीं होती। यदि मादा मानव को हीमोफीलिया है तो पुत्र में ही हीमोफीलिया के लक्षण होंगे किंतु यदि नर मानव हीमोफीलिया से प्रभावित है तो पुत्र में ये जीन नहीं पहुँचेगे।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 13

उत्तर :-

एकलसंकर क्रास :- जब एक ही प्रकार की संकर के मध्य संकरण या क्रास कराया जाता है तो इस प्रकार के क्रास को एकलसंकर क्रास कहते है। इसमें विविधता की संभावना न के बराबर होती है।

B
S
F

उदाहरणार्थ जब मेंडल ने गोल मटर के बीजों को मटर के गोल बीजो के मध्य ही संकर कराया तो अधिक प्रभावी व बिना विविधता के गोल मटर के बीज ही प्राप्त हुए। इसमें कीनो टाइप का अनुपात 3:1 है

♂/R		
R		

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ⇒ 9

उत्तर :- आबादी घनत्व :- प्रति एकांक क्षेत्रफल पर या आयतन में उपस्थित किसी समष्टि के कुल जीवों की संख्या आबादी घनत्व कहलाती है।

B
S
E

प्रश्न क्र० ⇒ 10 (अथवा)

उत्तर :- जैव विविधता के तीन आवश्यक घटक कि जलवायु में परिवर्तन, परिस्थितियों में विविधता तथा आवास में विभिन्नता है। घटक निम्न है :-

① अंत: स्थान आवरण
② वाह्य स्थान आवरण
③ जल स्थान आवरण

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्र० 15

उत्तर.- किसी भी पारिस्थितिक तंत्र मे ऊर्जा का पिरामिड सदैव सीधा होता है क्योंकि प्रथम उत्पादक सूर्य से ऊर्जा प्राप्त करता है और उत्पाद बनाता है तथा द्वितीय चरण मे प्रथम उपभोक्ता जो कि शाकाहारी होता है प्रथम उत्पादक वस्तु की ऊर्जा को ग्रहण करता है तथा तृतीय चरण मे द्वितीय उपभोक्ता जो कि मांसाहारी होता है प्रथम उपभोक्ता को ग्रहण कर उसकी ऊर्जा को ग्रहण कर लेता है तथा चतुर्थ चरण मे तृतीय उपभोक्ता द्वितीय उपभोक्ता को ग्रहण कर उसकी ऊर्जा को ग्रहण करता है अंत मे चतुर्थ उपभोक्ता मृतप्राय हो जाता है और उसकी समस्त ऊर्जा वायुमण्डल मे संचरित हो जाती है। अतः ऊर्जा का पिरामिड सदैव सीधा होता है।

प्रश्न क्र.

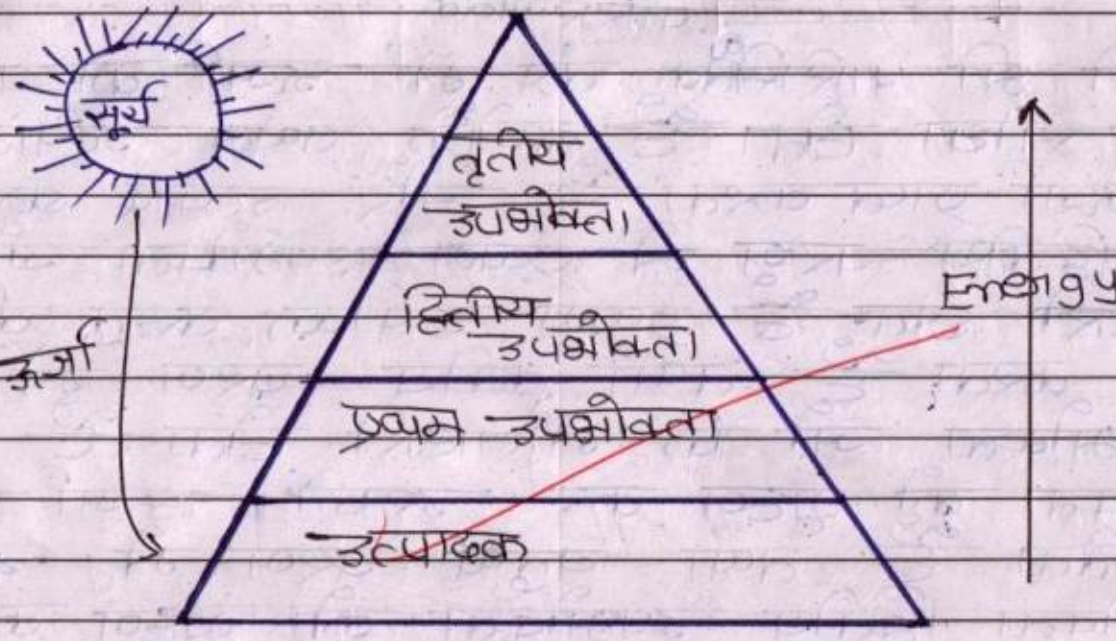

—: ऊर्जा का पिरामिड :—

प्रश्न क्र० ⇒ 11

उत्तर :- ऐम्निओसेन्टेसिस :- ऐम्निओसेन्टेसिस भ्रूण परीक्षण की एक विधि है। इस विधि के द्वारा भ्रूण के लिंग का पता किया जाता है।
महत्व :- इस विधि से भ्रूण संबंधी समस्याओं का निवारण किया जा सकता है।

(15)

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 15 क अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

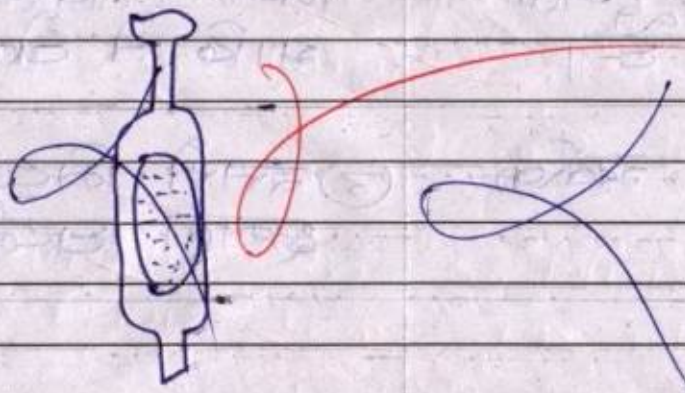

प्रश्न क्र० ⇒ 20 (अथवा)

उत्तर :-

चित्र :- एक प्ररूपी आवृतबीजी बीजांड

B
S
E

प्रश्न क्र० ⇒ 17

उत्तर :-

जैविक पीड़कनाशियों	रासायनिक पीड़क
① इसकी क्रियाविधि में अपेक्षाकृत अधिक समय लगता है।	① इसकी क्रियाविधि में कम समय लगता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(2) जैविक पीड़कनाशियों का निर्माण अपशिष्ट, मल आदि से होता है।	(2) रासायनिक पीड़कनाशियों का निर्माण विभिन्न रसायनों आदि से होता है।
(3) इससे मिट्टी की उर्वरक क्षमता बढ़ती है।	(3) इससे मिट्टी की उर्वरक क्षमता घटती है।

B
S
E

प्रश्न क्र० ⇒ 8

उत्तर:- बायोपेटेन्ट :- बायोपेटेन्ट सरकार द्वारा जारी किया गया एक पेटेन्ट होता है जिसके अंतर्गत जीव-जंतुओं की लुप्त या संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण किया जाता है या उसका एजेण्डा तैयार किया जाता है।

(17)

योग

BOARDOFSECONDARYEDUCATION.MADHYAPRADESH.BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० => 20 (अथवा)

प्रश्न

चित्र :- एक

प्रश्न क्र० => 16

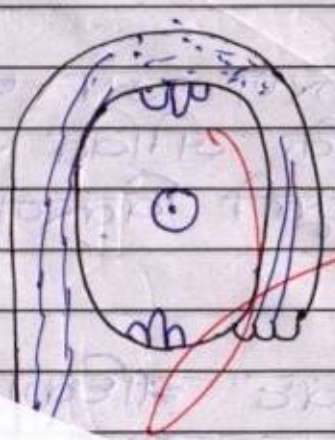

उत्तर:- मानव वृषण उदरगुहा के बाहर स्थित होते है क्योंकि शुक्राणुओं का निर्माण शुक्राणु जनन से होता है और इस क्रिया के लिए तापक्रम उदरगुहा के तापक्रम से 2°C कम होना चाहिए अतः मानव

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

अनुकूली विकरण :- वे विकिरण जो पौधो तथा जीवो के जीवित रहने के लिए नुकूलित होते है, अनुकूली विकरण कहलाते है।

प्रश्न क्र० => 8

वायोपेटेन्ट :- वायोपेटेन्ट वह अधिकार होता है जब कोई देश अपनी दवाइयों या किसी भी चीज को पैदा करते है तो उनकी ये चीजे कोई भी देश चोरी न कर पाये उनकी चीजो मे मूल अधिकार होता है।

प्रश्न क्र० => 12

उत्तर:- बिंदु रिवर्तन :- जब किसी जीव के जीन में आरक मे परिवर्तन किया जाता
बिंदु उत्परिवर्तन कहते है।

दा. :- बरिंगी, चावल, प्याज

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 19 के अंक कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 17 (अथवा)

उत्तर:- स्विस पनीर मे उपस्थित एंजाइम बाहमेनी अधिक मात्रा में CO_2 पैदा करता है जिससे ये पनीर मे यहाँ वहाँ बस जाता है व पनीर का बाहर का भाग ठंडा व आंतरिक भाग गर्म होता है अत: स्विस पनीर मे बड़े छिद्र होते है।

B
S
E